Roll No. ....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 4

(1048)

UG (CBCS) RUSA IVth Semester (Old) Examination

757

SANSKRIT

(Darshan Tatha Sahitya)

(Major)

Paper : BASKT-0408

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks :70**

नोट :- सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

1. (क) निम्नलिखितानां प्रश्नानां संक्षेपेण उत्तरं लिखत्–

(i) शिवराजविजयस्य नायकः कः ?

(ii) काव्यस्य कति भेदः सन्ति ?

(iii) शिवराजविजयः आख्यायिका अस्ति न वा ?

(iv) द्रव्याणि कति सन्ति ?

(v) 'लभताम्' अत्र कः लकारः अस्ति ?

(vi) 'शब्दगुणकं' कस्य लक्षणमस्ति ?

(vii) 'गन्धवती' कास्ति ?

(viii) 'गुणाः कति सन्ति ?

(ix) शिवराजविजये कति निःश्वासाः सन्ति ?

(x) वृत् धातोः लट्लकारे प्रथमपुरुषे एकवचने रूपं लिख्यताम्। 10×1=10

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए–

(i) 'रुच्' धातु का लट्लकार में रूप लिखिए।

(ii) "संस्कारजन्यं ज्ञानं स्मृतिः" का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iii) अनुमान प्रमाण कितने हैं ? नाम लिखिए।

(iv) "अहो चिरकालाय सुप्तोऽहम्" यह वाक्य किसने और कब कहा है ?

(v) 'अतिशयोक्ति' अलंकार का लक्षण लिखकर अभिप्राय स्पष्ट कीजिए। 5×2=10

(ग) निम्नलिखित के उत्तर दीजिए–

(i) निम्नलिखित का सरलार्थ कीजिए–

विष्णोर्माया भगवती यया सम्मोहितञ्जगत्

हिंस स्वपापेन विहिंसितः खलः साधुः समत्वेन

भयाद्विमुच्यते।

(ii) "ज्ञानाधिकरणमात्मा। स द्विविधः परमात्मा जीवात्मा च।" इस का भाव स्पष्ट कीजिए।

(iii) "रसनाग्राह्यो गुणः रसः। स च मधुराम्ललवण-कटुकषाय भेदात् षड्विधः।" इसका अर्थ स्पष्ट कीजिए। 4,3,3

भाग-क

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(i) किन्हीं **दो** अलंकारों का लक्षण, उदाहरण एवं संगति सहित निरूपण कीजिए–

अतिशयोक्ति, विशेषोक्ति, विभावना

अथवा

(ii) अलंकार सम्प्रदाय का परिचय दीजिए। 10

भाग-ख

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(i) निम्नलिखित धातुओं में से किन्हीं **दो** के रूप कोष्ठक में दिये गये लकारों के अनुसार लिखिए–

मुद् धातु (लोट् लकार), लभ् धातु (लङ् लकार), वृत् धातु (लट् लकार)

अथवा

(ii) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** धातुओं के रूप लोट् लकार तथा लृट् लकार में लिखिए–

इक्ष्, सह्, रुच् 10

भाग-ग

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए–

(i) तर्कसंग्रह के अनुसार प्रमाणों का वर्णन कीजिए।

अथवा

(ii) तर्कसंग्रह में वर्णित हेत्वाभासों का वर्णन कीजिए। 10

भाग-घ

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** का सरलार्थ कीजिए–

(i) तस्मिन् पर्वते आसीदेको महान् कन्दरः। तस्मिन्नेव महामुनिरेकः समाधौ विष्ठति स्म। कदा स समाधि-मङ्गीकृतवानिति कोऽपि न वेत्ति। ग्रामणी ग्रामीण-ग्रामाः समागत्य मध्ये मध्ये तं पूजयन्ति प्रणमन्ति स्तुवन्ति च। तं केचित् कपिल इति, अपरे लोमश इति, इतरे जैगीषव्य इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति, विश्वन्ति स्मः। स एवायमधुना शिखराद-वतरन् ब्रह्मचारिबटुभ्यामदर्शि।

अथवा

(ii) ततः संवृत्ते किञ्चिदन्धकारे धूप-धूमेन व्याप्तासु, हरित्सु भुशुण्डीं स्कन्धे निधाय निपुणं निरीक्षमाणः, आगत प्रत्यागतञ्च विदधानः, प्रताप-दुर्ग-दौवारिकः, कस्याषि पादक्षेप-ध्वनिमिवाऽश्रौषीत्। ततः स्थिरीभूय पुरतः पश्यन् सत्यपि दीप-प्रकाशेऽवतमसवशादागन्तारं कमप्यनवलोकयन्, गम्भीर स्वरेणैवमवादीत्–कः कोऽत्र भोः ? इति। 10